वेबसाइट हेतु प्रतिवेदन

ICT and Digital Initiative : ICT & CALP

प्रस्तावना :–

सूचना एवं संचार तकनीकी के उपयोग से विद्यालय स्तरीय निष्पादन क्षमता के संवर्धन तथा शिक्षण और अधिगम प्रक्रिया को सुगम, सुरूचिपूर्ण और सर्व सुलभ बनाने के लिये आईसीटी/**कल्प** उपकरणों की व्यवस्था द्वारा वर्तमान पाठ्यक्रम और विधियों को समृद्ध कर विद्यार्थियों को डिजिटल विश्व से आत्मसात् करवाने और प्रभावी रोजगार के लिये आवश्यक कौशलों को प्राप्त करने के योग्य बनाने हेतु राज्य के विद्यालयों में आई.सी.टी./**कल्प** का उपयोग किया जा रहा है। विद्यालयों में **कम्प्यूटर लैब** का उपयोग दो दृष्टिकोणों से किया गया है, आईसीटी ''स्वयं एक विषय'' के रूप में तथा दूसरा ''शिक्षण अधिगम प्रक्रिया संवर्धन उपकरण'' के रूप में।

उद्देश्य –

- रा.उ.मा.वि./रा.मा. विद्यालयों में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना एवं संचार तकनीकी के संवर्धन हेतु वातावरण निर्माण के माध्यम से गुणवत्ता प्रदान करना ।
- आई.सी.टी./कल्प योजना द्वारा उपलब्ध सामग्री और ऑनलाईन पाठ्यक्रम उपलब्ध करवाने की सुनिश्चितता करना।
- शिक्षण और अधिगम के लिए आई.सी.टी./कल्प उपकरणों की व्यवस्था से वर्तमान पाठ्यक्रम और विधियों को समृद्ध करना।
- विद्यार्थियों को Digital World और प्रभावी रोजगार के लिए आवश्यक कौशलों को प्राप्त करने के लिए योग्य बनाना।
- विद्यार्थियों को आई.सी.टी./कल्प योजना के उपकरणों के माध्यम से प्रभावी अधिगम वातावरण निर्माण कराना।
- विद्यालयों में स्वाध्याय की सहायता से समालोचक चिंतन और विश्लेषणात्मक कौशल का विकास करना। इससे कक्षा वातावरण शिक्षक केन्द्रित से विद्यार्थी केन्द्रित होगा।
- कम्प्यूटर शिक्षा द्वारा कक्षा का वातावरण शिक्षक केन्द्रित ना रहकर विद्यार्थी केन्द्रित करने के प्रयास करना।

लक्ष्य एवं प्रगति

कल्प कार्यक्रम :–

कल्प कार्यक्रम वर्ष 2004–05 से राजस्थान में 187 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रारम्भ किया गया। वर्ष 2005–06, 2006–07, 2007–08 में कार्यक्रम क्रमशः 589, 358 और 500 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विस्तार किया गया। तत्पश्चात वर्ष 2008–09 से 2009 –10, 2010–11, 2011–12 और 2012–13 में कल्प कार्यक्रम को बूट मॉडल के तहत 6676 स्कूलों में विस्तार किया गया। सत्र 2015–16 में 544 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में, सत्र 2016–17 में 330 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में तथा वर्ष 2017–18 में 330 स्कूलों में विस्तार किया गया। अब तक कुल 9514 उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यालयों में कल्प कार्यक्रम संचालित हैं।

आईसीटी योजना :–

आईसीटी योजनान्तर्गत विभिन्न चरणों के माध्यम से राज्य में 8500 विद्यालयों में कम्प्यूटर लैब स्थापित है तथा 2197 विद्यालयों में कम्प्यूटर लैब स्थापना का कार्य पूर्ण हो गया है। जिसका चरणवार विवरण निम्नानुसार हैः–

प्रथम चरण :–

- प्रथम चरण के अंतर्गत अगस्त 2008 में राज्य के 2500 विद्यालयों में बूट मॉडल अनुबंध आधार पर प्रत्येक स्कूल में 10 कम्प्यूटर सेट मय आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाये गये है। विद्युत की वैकल्पिक व्यवस्था हेतु GENSET भी प्रदान किये गये है।
- इस चरण की अवधि 31.12.2013 को समाप्त हो चुकी है और समस्त हॉडवेयर, सॉफ्टवेयर विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति को हस्तान्तरित किया जा चुका है।

द्वितीय चरण :–

- द्वितीय चरण के अंतर्गत अगस्त 2010 में राज्य के 2000 विद्यालयों में बूट मॉडल अनुबंध आधार पर प्रत्येक स्कूल में 10 कम्प्यूटर सेट मय आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाये गये है। विद्युत की वैकल्पिक व्यवस्था हेतु GENSET भी प्रदान किये गये है।
- इस चरण की अवधि 31.08.2015 को समाप्त हो चुकी है और समस्त हॉडवेयर, सॉफ्टवेयर विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति को हस्तान्तरित किया जा चुका है।

तृतीय चरण :–

- तृतीय चरण के अन्तर्गत फरवरी, 2014 में संस्कृत विद्यालयों को सम्मिलित करते हुये राज्य के 2000 विद्यालयों में बूट मॉडल अनुबंध आधार पर प्रत्येक स्कूल में 10 कम्प्यूटर सेट मय आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाये गये है। विद्युत की वैकल्पिक व्यवस्था हेतु सोलर पैनल व इनवर्टर भी प्रदान किये गये है।
- इस चरण की अवधि 24.02.2019 को समाप्त हो चुकी है और समस्त हॉडवेयर, सॉफ्टवेयर विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति को हस्तान्तरित किया जाना प्रक्रियाधीन है।
- इस चरण में कार्यरत सेवा प्रदाता एजेन्सी का विवरण इस प्रकार है :–
  कम्प्यूकॉम साफ्टवेयर लिमिटेड, जयपुर – आवंटित विद्यालय 1373
  IL&FS Education Pvt. Ltd. - आवंटित विद्यालय 627 (जयपुर और अजमेर संभाग)

चतुर्थ चरण :–

- आईसीटी चतुर्थ चरण के लिये वर्ष 2015–16 में राज्य के 525 राजकीय माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कम्प्यूटर लैब स्थापित की गई है। सैटेलाइट क्लासेज संचालित है।
- इस चरण में 525 विद्यालयों में सैटेलाइट प्रसारण के माध्यम से कक्षा 9 एवं 10 के विद्यार्थियों को विज्ञान, गणित, अंग्रेजी व कम्प्यूटर विषय का लाइव शिक्षण करवाया जा रहा है।
- सैटेलाइट प्रसारण के माध्यम से केन्द्रीकृत स्टूडियो से 525 विद्यालयों के आईसीटी केन्द्रों पर संस्थाप्रधानों व शिक्षकों के साथ राज्य स्तर से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित किया जा सकता है।

पंचम चरण :–

- आईसीटी पंचम चरण के लिये वर्ष 2017–18 में राज्य के 303 राजकीय माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कम्प्यूटर लैब स्थापित की गई है।

राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजना (1172 विद्यालय)

- इस योजनान्तर्गत राज्य के 1172 राजकीय माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कम्प्यूटर लैब स्थापित की गई है।

राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजना (5051 विद्यालय)

- 5051 योजनान्तर्गत राज्य के 2239 राजकीय माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कम्प्यूटर लैब स्थापित की गई है।
- इन विद्यालयों के 4187 शिक्षकों को कम्प्यूटर लैब के संचालन एवं रखरखाव संबंधित कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया गया है।

ई–ज्ञान पोर्टल

- राज्य में सभी छात्र–छात्राओं हेतु ई–कंटेन्ट सर्वसुलभ करवाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के सहयोग से ई–ज्ञान पोर्टल की स्थापना कक्षा 1 से 12 के विद्यार्थियों हेतु की गई।

दीक्षा राइज पोर्टल

- राज्य में सभी छात्र–छात्राओं हेतु ई–कंटेन्ट सर्वसुलभ करवाने के लिए एमएचआडी, नई दिल्ली एवं एससीईआरटी, उदयपुर के सहयोग से दीक्षा राइज पोर्टल की स्थापना एवं विकास कक्षा 1 से 12 के विद्यार्थियों हेतु किया जा रहा है।

गतिविधियों के ग्राफ :–

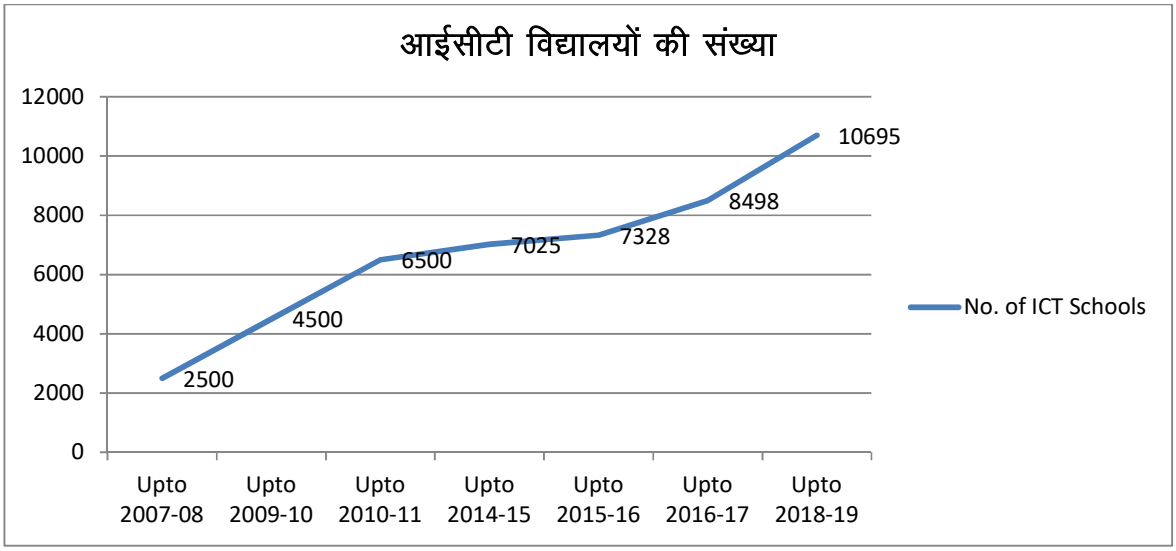
आईसीटी विद्यालयों की संख्या
12000
10000
8000
6000
4000
2000
0
2500
4500
6500
7025
7328
8498
10695
Upto 2007-08
Upto 2009-10
Upto 2010-11
Upto 2014-15
Upto 2015-16
Upto 2016-17
Upto 2018-19
No. of ICT Schools

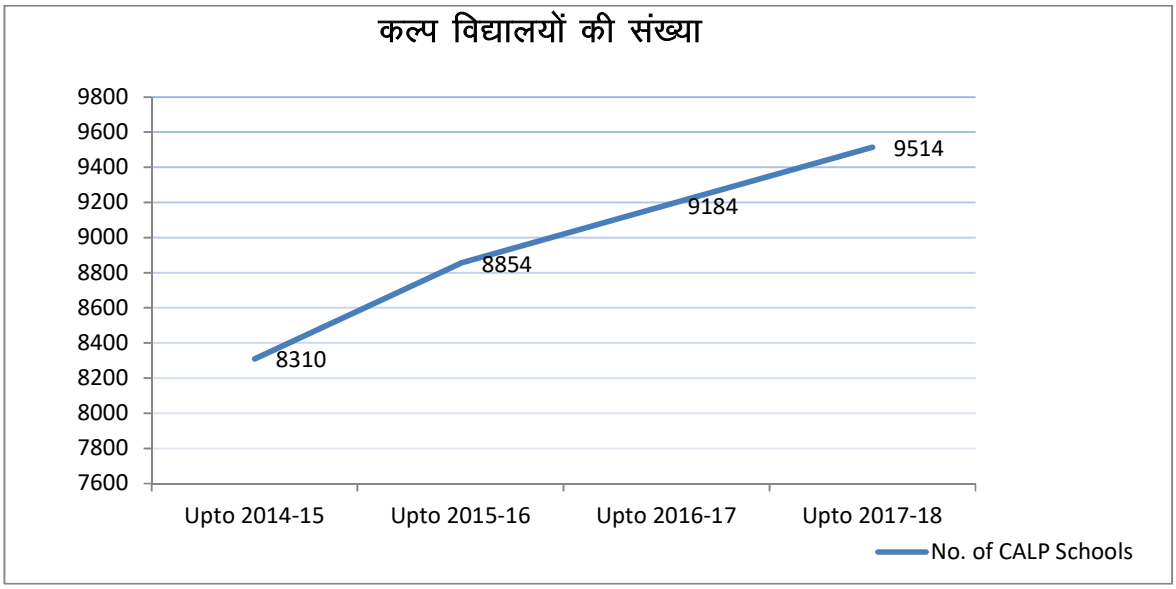
कल्प विद्यालयों की संख्या
9800
9600
9400
9200
9000
8800
8600
8400
8200
8000
7800
7600
8310
8854
9184
9514
Upto 2014-15
Upto 2015-16
Upto 2016-17
Upto 2017-18
No. of CALP Schools

कार्यक्रम से गुणवत्ता

कक्षाएं 6, 7 और 8 हेतु विज्ञान, गणित और अंग्रेजी के लिए परिषद द्वारा बाल केंद्रित मल्टीमीडिया ई–सामग्री के आधार पर कल्प विद्यालयों के शिक्षकों को मल्टीमीडिया आधारित ई–सामग्री अनुवर्ती प्रशिक्षण दिया गया। ई–सामग्री सभी कल्प विद्यालयों में लागू की जा रही है।

कल्प कार्यक्रम को समृद्ध करने के लिए राजस्थाान एज्यूकेशन इनिशिएटिव के तहत एमओयू द्वारा माइक्रोसॉफ्ट कम्पनी ने शिक्षकों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण 2005–06 से 2017–2018 तक दिये गये। इस पहल के तहत कुल 54550 शिक्षकों को कम्प्यूटर प्रशिक्षित किया गया।

SCREEN READER

ICT and Digital Initiative : ICT & CALP

प्रस्तावना:-

सूचना एवं संचार तकनीकी के उपयोग से विद्यालय स्तरीय निष्पादन क्षमता के संवर्धन तथा शिक्षण और अधिगम प्रक्रिया को सुगमए सुरूचिपूर्ण और सर्व सुलभ बनाने के लिये आईसीटी/कल्प उपकरणों की व्यवस्था द्वारा वर्तमान पाठ्यक्रम और विधियों को समृद्ध कर विद्यार्थियों को डिजिटल विश्व से आत्मसात् करवाने और प्रभावी रोजगार के लिये आवश्यक कौशलों को प्राप्त करने के योग्य बनाने हेतु राज्य के विद्यालयों में आई.सी.टी./कल्प का उपयोग किया जा रहा है। विद्यालयों में कम्प्यूटर लैब का उपयोग दो दृष्टिकोणों से किया गया है, आईसीटी ''स्वयं एक विषय'' के रूप में तथा दूसरा ''शिक्षण अधिगम प्रक्रिया संवर्धन उपकरण'' के रूप में।

उद्देश्य -

- रा.उ.मा.वि./रा.मा. विद्यालयों में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना एवं संचार तकनीकी के संवर्धन हेतु वातावरण निर्माण के माध्यम से गुणवत्ता प्रदान करना ।
- आई.सी.टी./कल्प योजना द्वारा उपलब्ध सामग्री और ऑनलाईन पाठ्यक्रम उपलब्ध करवाने की सुनिश्चितता करना।
- शिक्षण और अधिगम के लिए आई.सी.टी./कल्प उपकरणों की व्यवस्था से वर्तमान पाठ्यक्रम और विधियों को समृद्ध करना।
- विद्यार्थियों को क्पहपजंस ॅवतसक और प्रभावी रोजगार के लिए आवश्यक कौशलों को प्राप्त करने के लिए योग्य बनाना।
- विद्यार्थियों को आई.सी.टी./कल्प योजना के उपकरणों के माध्यम से प्रभावी अधिगम वातावरण निर्माण कराना।
- विद्यालयों में स्वाध्याय की सहायता से समालोचक चिंतन और विश्लेषणात्मक कौशल का विकास करना। इससे कक्षा वातावरण शिक्षक केन्द्रित से विद्यार्थी केन्द्रित होगा।
- कम्प्यूटर शिक्षा द्वारा कक्षा का वातावरण शिक्षक केन्द्रित ना रहकर विद्यार्थी केन्द्रित करने के प्रयास करना।

लक्ष्य एवं प्रगति

कल्प कार्यक्रम:-

कल्प कार्यक्रम वर्ष 2004–05 से राजस्थान में 187 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रारम्भ किया गया। वर्ष 2005–06, 2006–07, 2007–08 में कार्यक्रम क्रमशः 589, 358 और 500 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में विस्तार किया गया। तत्पश्चात वर्ष 2008–09 से 2009–10, 2010–11, 2011–12 और 2012–13 में कल्प कार्यक्रम को बूट मॉडल के तहत 6676 स्कूलों में विस्तार किया गया। सत्र 2015–16 में 544 उच्च प्राथमिक विद्यालयों मेंए सत्र 2016–17 में 330 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में तथा वर्ष 2017–18 में 330 स्कूलों में विस्तार किया गया। अब तक कुल 9514 उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यालयों में कल्प कार्यक्रम संचालित हैं।

आईसीटी योजना:-

आईसीटी योजनान्तर्गत विभिन्न चरणों के माध्यम से राज्य में 8500 विद्यालयों में कम्प्यूटर लैब स्थापित है तथा 2197 विद्यालयों में कम्प्यूटर लैब स्थापना का कार्य पूर्ण हो गया है। जिसका चरणवार विवरण निम्नानुसार हैः-

प्रथम चरण:-

– प्रथम चरण के अंतर्गत अगस्त 2008 में राज्य के 2500 विद्यालयों में बूट मॉडल अनुबंध आधार पर प्रत्येक स्कूल में 10 कम्प्यूटर सेट मय आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाये गये है। विद्युत की वैकल्पिक व्यवस्था हेतु GENSET भी प्रदान किये गये है।

– इस चरण की अवधि 31.12.2013 को समाप्त हो चुकी है और समस्त हॉडवेयर, सॉफ्टवेयर विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति को हस्तान्तरित किया जा चुका है।

द्वितीय चरण:-

- द्वितीय चरण के अंतर्गत अगस्त 2010 में राज्य के 2000 विद्यालयों में बूट मॉडल अनुबंध आधार पर प्रत्येक स्कूल में 10 कम्प्यूटर सेट मय आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाये गये है। विद्युत की वैकल्पिक व्यवस्था हेतु GENSET भी प्रदान किये गये है।

. इस चरण की अवधि 31.08.2015 को समाप्त हो चुकी है और समस्त हॉडवेयर, सॉफ्टवेयर विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति को हस्तान्तरित किया जा चुका है।

तृतीय चरण:-

. तृतीय चरण के अन्तर्गत फरवरीए 2014 में संस्कृत विद्यालयों को सम्मिलित करते हुये राज्य के 2000 विद्यालयों में बूट मॉडल अनुबंध आधार पर प्रत्येक स्कूल में 10 कम्प्यूटर सेट मय आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाये गये है। विद्युत की वैकल्पिक व्यवस्था हेतु सोलर पैनल व इनवर्टर भी प्रदान किये गये है।

. इस चरण की अवधि 24.02.2019 को समाप्त हो चुकी है और समस्त हॉडवेयर, सॉफ्टवेयर विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति को हस्तान्तरित किया जाना प्रक्रियाधीन है।

– इस चरण में कार्यरत सेवा प्रदाता एजेन्सी का विवरण इस प्रकार है:-

कम्प्यूकॉम साफ्टवेयर लिमिटेड, जयपुर - आवंटित विद्यालय 1373

IL&FS Education Pvt. Ltd. आवंटित विद्यालय 627 ;जयपुर और अजमेर संभाग)

चतुर्थ चरण:-

– आईसीटी चतुर्थ चरण के लिये वर्ष 2015.16 में राज्य के 525 राजकीय माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कम्प्यूटर लैब स्थापित की गई है। सैटेलाइट क्लासेज संचालित है।

– इस चरण में 525 विद्यालयों में सैटेलाइट प्रसारण के माध्यम से कक्षा 9 एवं 10 के विद्यार्थियों को विज्ञानए गणितए अंग्रेजी व कम्प्यूटर विषय का लाइव शिक्षण करवाया जा रहा है।

– सैटेलाइट प्रसारण के माध्यम से केन्द्रीकृत स्टूडियो से 525 विद्यालयों के आईसीटी केन्द्रों पर संस्थाप्रधानों व शिक्षकों के साथ राज्य स्तर से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित किया जा सकता है।

पंचम चरण:-

– आईसीटी पंचम चरण के लिये वर्ष 2017–18 में राज्य के 303 राजकीय माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कम्प्यूटर लैब स्थापित की गई है।

राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजना (1172 विद्यालय)

– इस योजनान्तर्गत राज्य के 1172 राजकीय माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कम्प्यूटर लैब स्थापित की गई है।

राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजना (5051 विद्यालय)

– 5051 योजनान्तर्गत राज्य के 2239 राजकीय माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कम्प्यूटर लैब स्थापित की गई है।

– इन विद्यालयों के 4187 शिक्षकों को कम्प्यूटर लैब के संचालन एवं रखरखाव संबंधित कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया गया है।

ई-ज्ञान पोर्टल

– राज्य में सभी छात्र-छात्राओं हेतु ई-कंटेन्ट सर्वसुलभ करवाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के सहयोग से ई-ज्ञान पोर्टल की स्थापना कक्षा 1 से 12 के विद्यार्थियों हेतु की गई।

दीक्षा राइज पोर्टल

– राज्य में सभी छात्र-छात्राओं हेतु ई-कंटेन्ट सर्वसुलभ करवाने के लिए एमएचआडी, नई दिल्ली एवं एससीईआरटी, उदयपुर के सहयोग से दीक्षा राइज पोर्टल की स्थापना एवं विकास कक्षा 1 से 12 के विद्यार्थियों हेतु किया जा रहा है।

गतिविधियों के ग्राफ :–

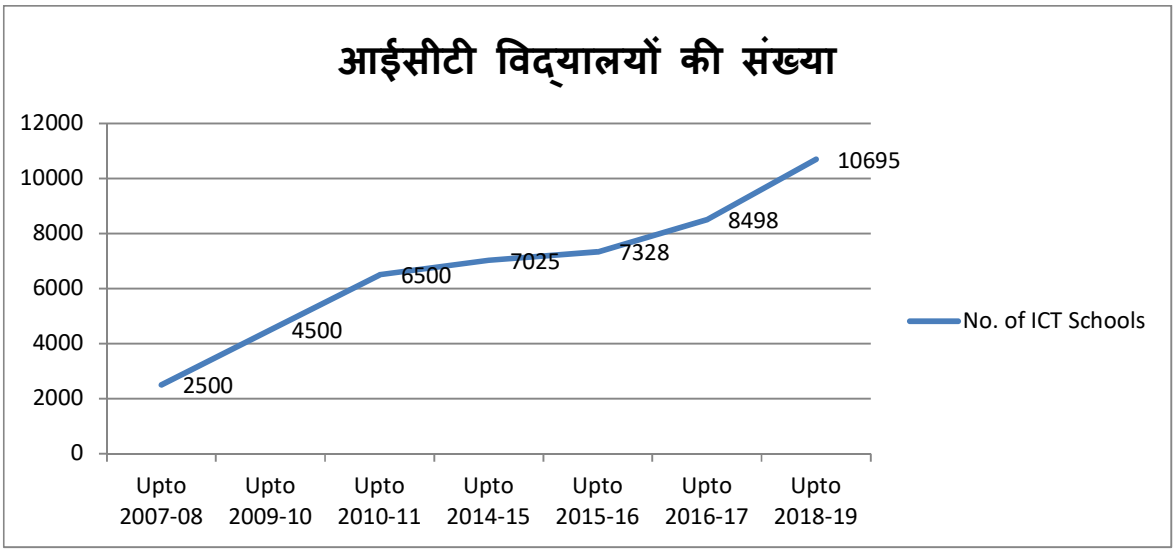

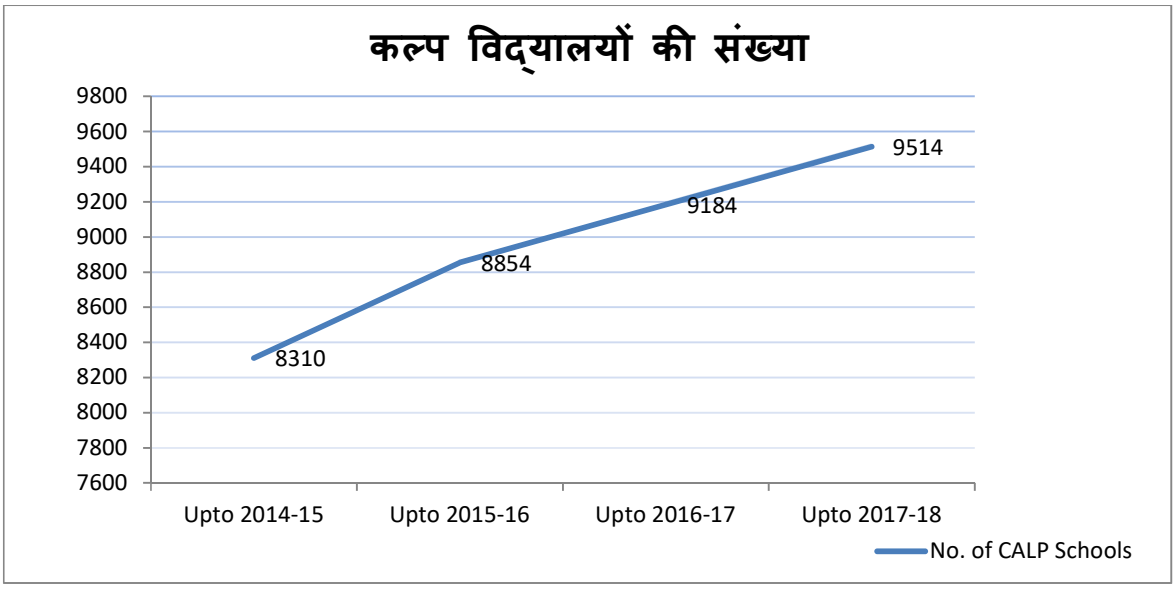

कार्यक्रम से गुणवत्ता

- कक्षाएं 6, 7 और 8 हेतु विज्ञान, गणित और अंग्रेजी के लिए परिषद द्वारा बाल केंद्रित मल्टीमीडिया ई-सामग्री के आधार पर कल्प विद्यालयों के शिक्षकों को मल्टीमीडिया आधारित ई-सामग्री अनुवर्ती प्रशिक्षण दिया गया। ई-सामग्री सभी कल्प विद्यालयों में लागू की जा रही है।
- कल्प कार्यक्रम को समृद्ध करने के लिए राजस्थाान एज्यूकेशन इनिशिएटिव के तहत एमओयू द्वारा माइक्रोसॉफ्ट कम्पनी ने शिक्षकों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण 2005-06 से 2017-2018 तक दिये गये। इस पहल के तहत कुल 54550 शिक्षकों को कम्प्यूटर प्रशिक्षित किया गया।

Documents for Website

ICT and Digital Initiative : ICT & CALP

Introduction :-

For the executive capacity in the G.S.S. Schools/ G.S. Schools of the state and to ensure convenient, interesting and Omni-available teaching and learning process ICT@ Schools is in action. By the use of information and communication technology and by managing the ICT/CALP equipment in the schools of the state, the present courses and methodologies have been strengthened to make the students adopt the 'digital world' and provide the essential skills for the effective employment. The use of ICT/CALP in schools has been done with double approaches; ICT/CALP *as a Subject in itself* and as *a promoting tool* in the process of teaching and learning.

The Objective:-

- To provide quality for promoting information and communication technology at the G.S.S. Schools/G.S. Schools especially in the rural areas, through environment making.
- To ensure the availability of content and online course by ICT/CALP Scheme.
- To enrich the present course and methodologies by managing the ICT/CALP equipments for teaching and learning.
- To make the students adopt ' the digital world' and provide the essential skills for the effective employment.
- To make effective learning atmosphere through the equipments of ICT/CALP Scheme by students.
- To develop critical meditation and analytical skill with the help of self study at schools.
- To make the atmosphere of schools 'Pupil centered'' instead of 'teacher centered'.

Aims and Progress (Physical and Financial):-

CALP PROGRAMME:-

- CALP was initiated in Rajasthan in the year 2004-05 in 187 Upper Primary Schools. In the year 2005-06, 2006-07, 2007-08 the programme was expanded in 589, 358 and 500 upper primary schools respectively. From the year 2008-09, 2009-10, 2010-11, 2011-12 & 2012-13 CAL programme was expanded in 6676 schools under BOOT model. 544 UPS schools covered in 2015-16 & 330 UPS schools covered in 2016-17. Further expansion in 330 schools was undertaken in 2017-18. Till now total 9514 Upper Primary Schools have been covered under this program.

ICT PROGRAMME:-

Computer Lab is established in 8500 schools in the state through various stages of ICT planning and computer lab installation in 2197 schools is under complete. The details of which are as follows:

FIRST PHASE:-

- ICT @ school first phase is started in August 2008 in 2500 schools. In these 2500 selected schools; every school's computer lab is equipped with 10 computers and other essentials. For uninterrupted power supply; GENSET is provided to schools.
- This phase is ended on 31-12-2013.All hardware and software have been handed over to the SDMC.

SECOND PHASE:

- In August 2010, Second phase was started in 2000 Secondary and Senior Secondary schools on the basis Boot Model Contract. In each school; 10 computers with other essentials was established by service provider agency. A GENSET was provided to schools for alternate power supply arrangement.
- For 2nd phase contract period has ended on 31-08-2015 and all hardware software have been handed over to the SDMC.

THIRD PHASE:

- In the third phase, Sanskrit Schools were also involved in February, 2014 and 10 computers with essentials were provided in each school on the basis of boot model contract in 2000 schools of the state. Solar Panels and Inverters were also provided or alternative arrangement of electricity.
- For 3rd phase contract period has ended on 24.02.2019 and all hardware software are under progress.

- Details of the service provider agency in this phase are as follows – Compucom Software limited Jaipur – 1373/ IL& FS Education service Pvt. Ltd. 627 (Jaipur & Ajmer Division).

Fourth PHASE:

- The computer lab has been established in 525 Government Secondary/Higher Secondary Schools of the state in 2015-16 for the Fourth Phase of ICT. Satellite classes started.
- In this phase, live classes of English, Science, Maths & Computer are being broadcast in 525 schools through satellite for the students of class 9th & 10th.
- A direct communication may be established with the head of institutions and teachers with the head of institutions and teachers from the centralized studio through satellite broadcast at the ICT centers of 525 schools.
-

Fifth PHASE:

- The computer lab has been established in 303 Government Secondary/Higher Secondary Schools of the state in 2017-18 for the Fifth Phase of ICT.

Project Finance by State Government:

- The computer lab has been established in 1172 Government Secondary/Higher Secondary Schools of the state in 2017-18.

Project Finance by State Government:

- Under the 5051 scheme installation of Computer Lab in 2197 schools of the State is under process.]
- 4187 Teachers in these schools have been trained for better use of ICT Computer lab for students.

e-gyan Portal

- Provide e-content to all students of Class 1 to 12th, e-gyan Portal established by Education Department, Rajasthan with the help of DoIT&C.

DIKSHA RISE Portal

- Provide e-content to all students of Class 1 to 12th, DIKSHA RISE Portal established by Education Department, Rajasthan with the help of MHRD, New Delhi and SCERT, Udaipur .

Graphs of activities :-

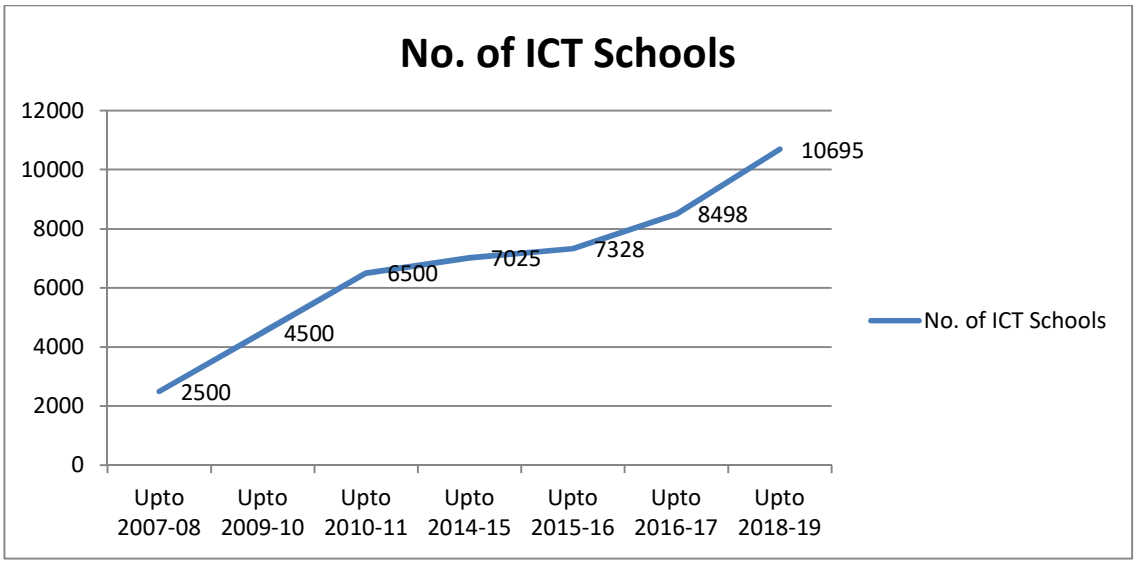

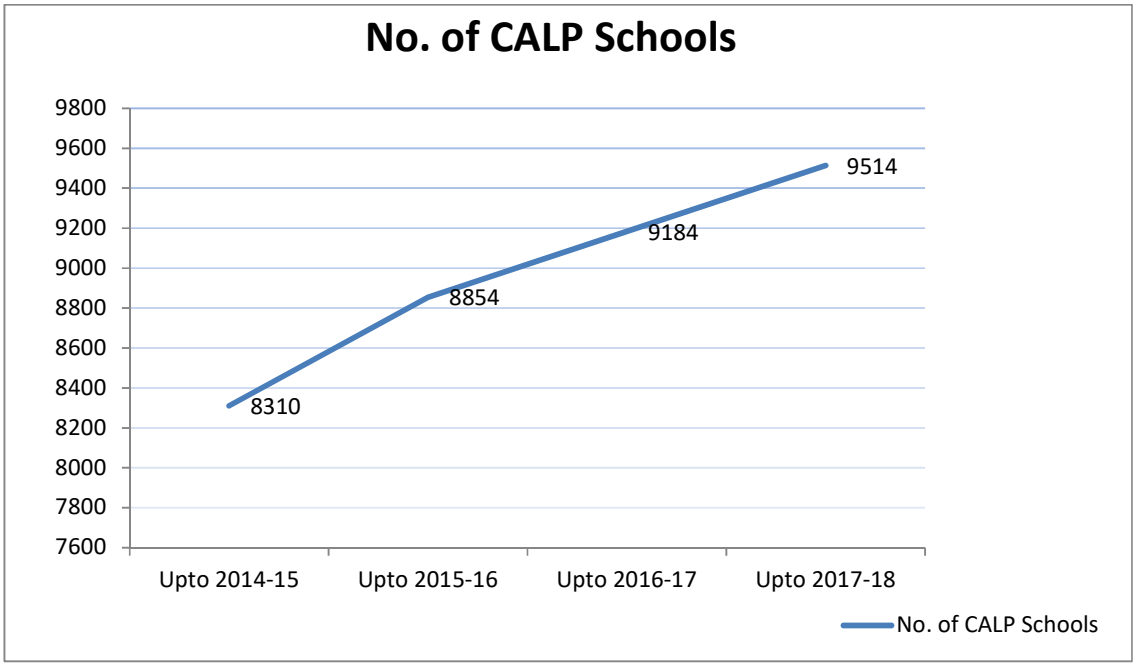

Pentium 4

Quality Initiatives

- Multimedia based e-content follow-up trainings of CAL school teachers on the basis of states' own child centric multimedia e-contents for Science, Mathematics and English for classes VI, VII and VIII. This e-content is being implemented in all CALP schools.

- Teachers Training through Microsoft Information Technology Academy by MICROSOFT. From Dec. 2005-06 to 2017-2018, total teachers trained under this initiative are 54550.